वीरों के बलिदानों से, हमने आजादी पाई।
फना हो गए वतन की खातिर, देश की शान बढ़ाई।

कुछ पल तो उन्हें याद करो,
चले गए जो दूर कहीं।
नैन से नीर बहालो जी,
ऐसी भक्ति कहीं नहीं।

जब जब सुने कहानी उनकी, तब तब याद है आई।
फना हो गए वतन की खातिर, देश की शान बढ़ाई।

आज़ादी की मंजिल पर,
वीरों की बारात चली।
छीन के आज़ादी दुश्मन से,
दुल्हन डोली साथ चली।

आज़ादी की शहनाई की, धुन वीरों ने बजाई।
फना हो गए वतन की खातिर, देश की शान बढ़ाई।

Prepared By : - Ravi Verma
email me on : myselfraviverma@gmail.com